

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1964
दिनांक 03.03.2020

आईसीएआर के अंतर्गत अनुसंधान केन्द्र और परियोजनाएं

1964. श्री गजाजन कीर्तिकर:

श्री बिद्युत बरन महतो:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्री संजय सदाशिव राव मांडलिक:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश के विभिन्न राज्यों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तत्वावधान में आज की तिथि में चलाए जा रहे अनुसंधान केन्द्रों और परियोजनाओं का स्थान और राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) आज की तिथि तक शुरू की गई किन्तु पूरी न की गई परियोजनाओं का परियोजना-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है और इन परियोजनाओं के आरंभ होने और उनके पूरे होने की संभावित तिथि क्या है;
- (ग) विगत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक परियोजना के लिए सरकार द्वारा आवंटित निधि और व्यय का ब्यौरा क्या है;
- (घ) इन केन्द्रों द्वारा प्राप्त उपलब्धियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
- (ङ) क्या उक्त केन्द्रों के प्रयास से कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (च) कृषि क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

- (क) विभिन्न राज्यों में स्थित विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों पर चल रही योजनाओं/परियोजनाओं के नामों की सूची अनुबंध-1 में निर्दिष्ट है।

(ख) डेयर/भाकृअप की सभी 35 योजनाएँ/परियोजनाएं 2017-18 के दौरान शुरू की गई थी और अभी चल रही हैं।

(ग) सभी योजनाओं/ परियोजनाओं के लिए विगत तीन वर्षों के दौरान आबंटित निधियाँ तथा किया गया व्यय- 2017-18 के दौरान क्रमशः रु. 2166.46 करोड़ तथा रु. 1878.14 करोड़, 2018-19 के दौरान क्रमशः रु. 2508.43 करोड़ तथा रु. 2271.41 करोड़ है। 2019-20 के दौरान आबंटन रु. 2488.61 करोड़ है (अनुबंध-2)।

(घ) 2014-19 की अवधि में भाकृअप की उपलब्धियां अनुबंध-3 में निर्दिष्ट हैं।

(ङ) खाद्यान्न, दलहनों, तिलहनों, कपास, गन्ना, बागवानी, दुग्ध, मत्स्य, अंडा, माँस के उत्पादन में वृद्धि अनुबंध-4 में निर्दिष्ट है।

(च)

- अत्याधुनिक अवसंरचना सुविधाओं का विकास
- उच्चतर शिक्षा के माध्यम से कुशल कृषि मानव शक्ति का विकास
- उत्कृष्टता के श्रेष्ठ क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं की पहचान एवं कार्यान्वयन; राष्ट्रीय प्रोफेसर, एमेरिटस प्रोफेसर तथा राष्ट्रीय अध्येता (फ़ेलो) योजनाएँ; कृषि में मूलभूत, नीतिपरक तथा अग्रणी अनुप्रयोग अनुसंधान हेतु राष्ट्रीय कोष; (एनएफबीएसएफएआरए) राष्ट्रीय जलवायु अनुकूल कृषि नवोन्मेषन (निक्रा); सहायता संघ (कॉन्सोर्टियम) अनुसंधान मंच; अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं; नेटवर्क परियोजनाएं; कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से विस्तार।

क्र.सं.	योजना का नाम	संस्थान	राज्य
1	मृदा लक्षण वर्णन	भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल	मध्य प्रदेश
		केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल	हरियाणा
		राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो, नागपुर	महाराष्ट्र
2	जल संचयन, संरक्षण और प्रबंधन	भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर	ओडिशा
		भारतीय मृदा और जल संरक्षण संस्थान, देहरादून	उत्तराखंड
		मखाना सहित पूर्वी क्षेत्र, पटना के लिए भाकृअप अनुसंधान परिसर	बिहार
3	बारानी कृषि	केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	तेलंगाना
		राष्ट्रीय अजैविक दबाव प्रबंधन संस्थान, बारामती	महाराष्ट्र
4	टिकाऊ फसल और कृषि प्रणाली अनुसंधान	भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम	उत्तर प्रदेश
		केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी	उत्तर प्रदेश
		खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर	मध्य प्रदेश
		महात्मा गांधी एकीकृत कृषि अनुसंधान संस्थान, मोतिहारी ,	बिहार
5	शुष्क, पर्वतीय और तटवर्ती परिस्थितिकी	केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	राजस्थान
		पूर्वोत्तर के लिए भाकृअप अनुसंधान परिसर, बारापानी	मेघालय
		केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा	गोवा
6	जलवायु अनुकूल कृषि पहल	जलवायु अनुकूल कृषि, में राष्ट्रीय नवोन्मेषण, हैदराबाद	तेलंगाना
7	कृषि यंत्रीकरण	केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	मध्य प्रदेश
8	उत्पादन उपरांत यंत्रीकरण और मूल्य संवर्धन	केन्द्रीय कटाई उपरांत अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना	पंजाब
		भारतीय प्राकृतिक रेशा और गौंद संस्थान, रांची	झारखंड
9	रेशा प्रसंस्करण और मूल्य-वर्धन	केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुंबई	महाराष्ट्र
		भारतीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता	पश्चिम बंगाल
10	आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन	राष्ट्रीय पादप आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली	दिल्ली

		राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बैंगलुरु	कर्नाटक
		राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, मऊ	उत्तर प्रदेश
11	बुनियादी और कार्यनीतिक अनुसंधान और शिक्षा	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	दिल्ली
		भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची	झारखंड
		भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, झारखंड	झारखंड
		भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, असम	असम
12	चावल, गेहूं और जौ सुधार	राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक	ओडिशा
		भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	तेलंगाना
		भारतीय गेहूं और जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल	हरियाणा
13	मक्का, बाजरा और चारा फसल सुधार और पर्वतीय कृषि	भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना	पंजाब
		भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	तेलंगाना
		भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी	उत्तर प्रदेश
		विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा	उत्तराखंड
14	दलहन सुधार और बीज अनुसंधान	भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर	उत्तर प्रदेश
		भारतीय बीज अनुसंधान संस्थान, मऊ	उत्तर प्रदेश
		कृषि फसलों, मऊ में बीज उत्पादन	उत्तर प्रदेश
15	तिलहन फसल में सुधार	भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	तेलंगाना
		मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़	गुजरात
		भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर	मध्य प्रदेश
		तोरिया सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर	राजस्थान Rajasthan
16	वाणिज्यिक फसल सुधार	भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
		गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर	तमिलनाडु
		केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान, राजामुंदरी	आंध्र प्रदेश
		केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर	महाराष्ट्र
		केन्द्रीय कपास और सम्बद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	पश्चिम बंगाल
17	पादप सुरक्षा और परागण अनुसंधान	राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र, (एनसीआईपीएम), नई दिल्ली	दिल्ली
		राष्ट्रीय जैविक दबाव प्रबंधन संस्थान, रायपुर	छत्तीसगढ़

18	उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय बागवानी	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु	कर्नाटक
		राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र, त्रिची	तमिलनाडु
		केन्द्रीय नीम्बूवर्गीय अनुसंधान संस्थान, नागपुर	महाराष्ट्र
		केन्द्रीय उपोष्ण कटिबंधीय बागवानी संस्थान, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
		राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र, पुणे	महाराष्ट्र
		राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुज़फ़्फ़रपुर	बिहार
		राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र, सोलापुर	महाराष्ट्र
19	शीतोष्ण बागवानी	केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला	हिमाचल प्रदेश
		केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर	जम्मू और कश्मीर
		पुष्प विज्ञान अनुसंधान निदेशालय, पुणे	महाराष्ट्र
		राष्ट्रीय ऑर्किड्स अनुसंधान केन्द्र, प्योगॉन्ग	सिक्किम
		मशरूम अनुसंधान निदेशालय, सोलन	हिमाचल प्रदेश
20	सब्जी की फसलें		
		भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी	उत्तर प्रदेश
		प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे	महाराष्ट्र
		केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवंतपुरम	केरल
21	रोपण फसलें और द्वीप पारिस्थितिकी तंत्र	केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगोड	केरल
		काजू अनुसंधान निदेशालय, पुत्तूर	कर्नाटक
		भारतीय तेल-ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेडावेगी	आंध्र प्रदेश
		केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर	अंडमान और निकोबार
22	शुष्क बागवानी, भैंस और औषधीय और सुगंधित पौधे	केंद्रीय बागवानी संस्थान, बीकानेर	राजस्थान
		भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कालीकट	केरल
		राष्ट्रीय बीज मसाले अनुसंधान केन्द्र, अजमेर	राजस्थान
		औषधीय और सुगंधित पौधे अनुसंधान निदेशालय, आनंद	गुजरात

23	राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष	एनएएसएफ, नई दिल्ली	दिल्ली
24	डेयरी उत्पादन और प्रौद्योगिकी	राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	हरियाणा
		केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार	हरियाणा
		केन्द्रीय गोपशु अनुसंधान संस्थान, मेरठ	उत्तर प्रदेश
25	छोटे जुगाली करने वाले उत्पादन और प्रौद्योगिकी	केंद्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर	राजस्थान
		बकरियों पर केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, मखदूम	उत्तर प्रदेश
26	पशु पोषण और उत्पाद प्रौद्योगिकी	राष्ट्रीय पशु पोषण-तत्व और कार्यािकी संस्थान, बेंगलुरु	कर्नाटक
		उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर	राजस्थान Rajasthan
		राष्ट्रीय मांस अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	तेलंगाना
27	पशु स्वास्थ्य प्रबंधन	भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	उत्तर प्रदेश
		राष्ट्रीय पशु चिकित्सा जानपदिक विज्ञान और रोग सूचना विज्ञान संस्थान (NIVEDI), बेंगलुरु	कर्नाटक
		राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, भोपाल	मध्य प्रदेश
		खुरपका और मुंहपका रोग निदेशालय, मुक्तेश्वर	उत्तराखंड
		राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र, हिसार	हरियाणा
		नेशनल सेंटर फॉर वेटेरनरी टाइप कल्चर कलेक्शन, हिसार	हरियाणा
28	पशु आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन, उत्पादन और सुधार	राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल	हरियाणा
		केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	हरियाणा
		कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद	तेलंगाना
29	सुअर उत्पादन और पहाड़ी पशु कृषि	राष्ट्रीय सुअर अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी	असम
		राष्ट्रीय याक अनुसंधान संस्थान, डिरांग	अरुणाचल प्रदेश
		राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान संस्थान, झरनापानी, नागालैंड	नगालैंड
30	समुद्री और तटीय मत्स्य पालन और जलजीव पालन प्रबंधन	केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान, कोच्चि	केरल
		केन्द्रीय खारा जलजीव पालन संस्थान, चेन्नई	तमिलनाडु
		केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान, कोच्चि	केरल

31	मीठे पानी की मछलियों और जलजीव पालन प्रबंधन	केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	पश्चिम बंगाल
		शीतजल मात्स्यिकी परियोजना निदेशालय, भीमताल	उत्तराखंड
		केन्द्रीय ताजा जल जीवपालन संस्थान, भुवनेश्वर	ओडिशा
32	मत्स्य शिक्षा और आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन	केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुंबई	महाराष्ट्र
		केन्द्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
33	कृषि विस्तार	कृषि विज्ञान केंद्र	
		कृषि में ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, नई दिल्ली	दिल्ली
34	कृषि विश्वविद्यालयों और संस्थानों	भारत में उच्च कृषि शिक्षा का सुदृढीकरण और विकास	दिल्ली
		राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद	तेलंगाना
		केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर	ओडिशा
		राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना	दिल्ली
35	आर्थिकी , सांख्यिकी और प्रबंधन	भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	दिल्ली
		राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी और नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	दिल्ली

अनुबंध-2

{लोक सभा के दिनांक 03.03.2020 के अतारांकित प्रश्न सं0 1964 का भाग (ग)}

(रु. लाखों में)

क्र.सं.	केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाएँ	2017-18		2018-19		2019-20	
		संशोधित अनुमान	वास्तविक व्यय	संशोधित अनुमान	वास्तविक व्यय	संशोधित अनुमान	वास्तविक व्यय*
1	मृदा लक्षणवर्णन और प्रबंधन	3259.00	3005.24	2807.87	2437.58	2913.59	1980.37
2	जल संचयन, संरक्षण और प्रबंधन	2833.76	2168.48	2287.34	1970.45	2626.98	1714.24
3	बारानी कृषि	3004.00	2920.14	1951.18	1580.70	2153.19	1405.25
4	टिकाऊ फसल और खेती प्रणाली अनुसंधान	2795.61	2322.51	3206.21	3202.61	2633.90	1536.81
5	शष्क, पर्वतीय और तटीय पारिस्थितिकी प्रबंधन	4875.63	2503.06	4571.40	4381.01	5555.34	3600.67
6	जलवायु अनुकूल कृषि में राष्ट्रीय नवोन्मेषण, हैदराबाद	5000.00	3552.44	4421.00	3836.42	4600	3228.00
7	कृषि यंत्रीकरण	1473.00	1331.67	2206.19	2171.33	2330.65	1508.75
8	उत्पादन उपरांत यंत्रीकरण और मूल्यवर्धन	1792.00	1543.19	2355.31	2215.76	2718.37	1569.98
9	रेशा प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन	1003.00	1006.31	1388.50	1411.30	1352.98	817.18
10	आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन	4737.65	5167.10	4488.50	4151.55	5370.62	2691.00
11	बुनियादी और कार्यनीतिक अनुसंधान और शिक्षा	13366.83	11315.48	27110.49	26552.36	24822.94	10394.00
12	चावल, गेहूं और जौ सुधार	6032.85	5677.41	8556.60	6748.53	7700.94	3742.00
13	मक्का, बाजरा और चारा फसल सुधार और पर्वतीय कृषि	3677.95	3426.86	5631.67	5780.74	6239.95	3211.00

14	दलहन सुधार और बीज अनुसंधान	2322.65	2186.12	3954.10	3599.62	4055.64	2759.00
15	तिलहन फसल सुधार	2913.43	2732.71	4307.80	3263.11	3920.21	2213.00
16	वाणिज्यिक फसल सुधार	4078.90	3220.74	6342.91	6315.75	6971.21	4511.00
17	पादप सुरक्षा और परागण अनुसंधान	2835.74	3239.54	4806.93	4359.12	4418.49	2963.00
18	उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय बागवानी	5056.75	4825.40	6041.47	5719.70	6565.22	4955.05
19	शीतोष्ण बागवानी	2743.90	2091.60	3073.31	2738.53	3054.73	2016.59
20	सब्जी फसलें	2196.80	1727.14	2512.83	2446.13	2615.07	1761.71
21	रोपण फसलें और द्वीप पारिस्थितिकी तंत्र	3310.55	2337.94	2796.82	2506.07	3092.98	2124.84
22	शुष्क बागवानी, भैंस और औषधीय और सुगंधित पौधा	2182.00	1712.20	2150.57	1770.54	2033.00	1432.11
23	राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष	3655.00	3077.30	5075.00	3943.54	5000	2692.04
24	डेयरी उत्पादन और प्रौद्योगिकी	6355.30	6154.72	6727.58	6260.82	7521.00	4832.41
25	छोटे जुगाली करने वाले उत्पादन और प्रौद्योगिकी	2385.50	2079.04	3056.55	3070.99	3310.00	1901.47
26	पशु पोषण और उत्पाद प्रौद्योगिकी	1525.00	1449.66	1833.34	1784.63	2033.00	901.41
27	पशु स्वास्थ्य प्रबंधन	11163.15	10254.59	10587.88	9800.44	11263.00	6585.64
28	पशु आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन, उत्पादन और सुधार	3176.00	3093.32	3746.16	3537.97	4090.00	2917.21
29	सुअर उत्पादन और पहाड़ी पशु कृषि	2592.05	2245.80	2946.49	2489.49	2783.00	1954.01
30	समुद्री और तटीय मत्स्य पालन और जलजीव पालन प्रबंधन	4887.50	4798.99	5506.00	5337.82	5855.45	4013.79

31	ताजा जल मछलियों और जलजीव पालन प्रबंधन	2773.00	2662.90	3424.50	3246.35	3703.64	2009.24
32	मत्स्य शिक्षा और आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन	3924.50	3695.59	4303.50	4212.34	4679.91	3250.33
33	कृषि विस्तार	23251.00	23198.66	20553.00	19781.81	22115.00	11204.03
34	कृषि विश्वविद्यालयों और संस्थानों	65837.00	52207.87	52559.00	44554.05	45000.00	33068.28
35	आर्थिकी , सांख्यिकी और प्रबंधन	3129.00	2882.27	2766.00	2648.20	2976.00	1895.00
	कुल केंद्रीय क्षेत्र योजनाएँ	216,646.00	187,814.01	250,843.0 0	227,141.55	248,861.00	155,760.93

* दिसंबर, 2019 तक वास्तविक व्यय

2014-19 की अवधि में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद/डेयर की उपलब्धियां

उच्च पैदावार वाली किस्में

- 2009-14 के दौरान 545 किस्मों की तुलना में 2014-19 के दौरान, फसलों की 1020 दवाब सहिष्णु, उच्च पैदावार वाली, कृषि-जलवायु क्षेत्र विशिष्ट किस्में विकसित की गई थी। इसी प्रकार, 2009-14 के दौरान 269 बागवानी फसल किस्मों की तुलना में 2014-19 के दौरान 339 किस्में विकसित की गई थी।
- प्राकृतिक खाद्य प्रणालियों के माध्यम से कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए, 2009-14 की अवधि में केवल एक किस्म की तुलना में 2014-19 की अवधि में फील्ड फसलों की 52 जैव-प्रबलीकृत किस्में विकसित की गई थी। 2016-17 से 2018-19 के दौरान 16 किस्मों के कुल 3483.8 क्विंटल प्रजनक बीजों का उत्पादन किया गया।
- आण्विक प्रजनन का प्रयोग करते हुए 30 नई किस्में विकसित करने के लिए रोग प्रतिरोधिता, सूखा सहिष्णुता तथा जलमग्नता सहिष्णुता जैसे दवाब सहिष्णुता के विशेषकों को उच्च पैदावार के लिए अंतरित किया गया था।

2014-19 के दौरान ऐतिहासिक उपलब्धियां (लैंडमार्क्स)

- जल और निवेशों की कम आवश्यकता के लिए गेहूं किस्म एचडी सीएसडब्ल्यू 18; संरक्षण कृषि पद्धति के लिए पछेती बुआई स्थितियों के लिए एचडी 3117
- चावल-गेहूं पद्धति के लिए प्रोटीन की अधिक मात्रा एवं 52-55 दिनों की परिपक्वता वाली मूंग किस्म आईपीएम 205-7 (विराट); लौह तत्व की अधिकता वाली 100 दिनों की अवधि वाली मसूर किस्म पूसा अगेती मसूर (एल 4717).
- अथेरोस्लेरोसिस - एक हृदय रोग से बचाव के लिए पूसा सरसों 30 (शून्य एरुसिक अम्ल) तथा पूसा सरसों 31 (दोहरा शून्य)
- अर्कारक्षाकंद अर्कासमाट - ताजा बाजार एवं प्रसंस्करण के लिए टमाटर पर्ण कुंचन विषाणु+ जीवाणु म्लानि + अगेती झुलसा जैसे तीन रोगों की प्रतिरोधिता के साथ अधिक उपज देने वाले ग्रीष्म, खरीफ एवं रबी ऋतुओं के लिए उपयुक्त टमाटर के एफ₁ संकरों का प्रजनन किया गया।

महत्वपूर्ण (मेगा) किस्मों को लोकप्रिय बनाना

- पूसा बासमती 1121: इसके बेहतर दानों तथा पकाने की गुणवत्ता के कारण विदेशी बाजार में बहुत लोकप्रिय है; इस किस्म ने 2009-14 की अवधि में रु. 60482 करोड़ की तुलना में वर्ष 2014-19 के दौरान निर्यात से रु. 92117 करोड़ की कुल राशि अर्जित की। पूसा बासमती 1121 से प्रति वर्ष निर्यात से होने वाली आय रु.16700 करोड़ थी।
- गन्ना की किस्म सीओ-238: अन्य किस्मों में 8.5 से 9 की तुलना में औसत चीनी की प्राप्त मात्रा 12% तक बढ़ गई। 21.72 मीट्रिक टन अतिरिक्त गन्ना उत्पादन तथा 0.873 मीट्रिक टन चीनी उत्पादन के साथ 14.75 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल

जिससे उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा बिहार में 2013-14 से किसानों को ~
रु. 65,50.50 करोड़ मिलियन तथा चीनी उद्योग को ~ रु.2791.3 करोड़ की अतिरिक्त
आय हुई।

- **गेहूँ किस्म एचडी 2967:** इस किस्म के अंतर्गत लगभग 10 मिलियन हेक्टेयर (देश का 1/3 क्षेत्र) क्षेत्र है। भारतीय कृषि के इतिहास में किसी एक किस्म के प्रजनक बीजों की उच्चतम माँग (वर्ष 2017-18 के दौरान 3600 क्विंटल)।

नए संस्थान/ सुविधाएं

- सरकार की 'पूर्व की ओर चलो' (एक्ट ईस्ट) नीति के अंतर्गत, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान जैसे संस्थान - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, झारखंड तथा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान- असम स्थापित किए गए।
- राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर, बिहार का राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन किया गया।
- उत्तर पूर्वी राज्यों में सीएयू, इम्फाल के तहत, 6 नए महाविद्यालयों की स्थापना की गई जिससे महाविद्यालयों की कुल संख्या 13 हो गई।
- मोतीहारी, बिहार में महात्मा गांधी समेकित कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान की स्थापना की गई।
- नानाजी देशमुख राष्ट्रीय फीनोमिक्स सुविधा- ताप सहनशीलता संबंधी अध्ययनों के लिए एक परिशुद्ध फीनोटाइपिंग सुविधा। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझने तथा उनका सामना करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली में एक अत्याधुनिक सुविधा की स्थापना की गई।

रोपण सामग्री

- बागवानी के विस्तार को प्रोत्साहित करने के लिए, गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्रियों के उत्पादन में वर्ष 2009-14 की तुलना में वर्ष 2014-19 के दौरान, कलमों में 62.4% (57.2 लाख से 93.4 लाख); शल्ककंदों (बल्ब) में 71.5% (963.153 लाख से 1653.131 लाख) एवं पौध में 89.1% (2710.10 से 5125.0 लाख) की बढ़ोतरी की गई।

पशु स्वास्थ्य एवं स्वदेशी नस्लें

- स्वदेशी नस्लों की सुरक्षा हेतु की गई सर्वप्रथम पहलों में, 11 अक्टूबर, 2019 को 184 पंजीकृत स्वदेशी नस्लों की गजट अधिसूचना जारी की गई। इससे हमारी स्वदेशी नस्लें सुरक्षित रहेंगी और उनके संरक्षण एवं सुधार में सहायता मिलेगी।
- पशु-स्वास्थ्य हेतु, वर्ष 2009-14 में 7 की तुलना में वर्ष 2014-19 के दौरान 10 वैक्सीन विकसित की गई। वर्ष 2024 तक भारत को एफएमडी मुक्त बनाने के लिए ताप सहनशील एफएमडी वैक्सीन का विकास प्रगत अवस्था में है।

- पशु-स्वास्थ्य एवं पशु उत्पादों के लिए, वर्ष 2009-14 में 29 की तुलना में वर्ष 2014-19 के दौरान 43 नैदानिक किट विकसित की गई।
- वर्ष 2009-14 में 420407 सीरम नमूनों की तुलना में वर्ष 2014-19 के दौरान 821013 नमूनों के विश्लेषण से सीरो-निगरानी दोगुना हो गई।

मात्स्यिकी प्रौद्योगिकियां एवं मत्स्य बीज की आपूर्ति

- सजावटी मछलियों पर फोकस के साथ, वर्ष 2009-14 में 5 सजावटी मछलियों की तुलना में, वर्ष 2014-19 के दौरान 15 सजावटी मछलियों के लिए प्रजनन प्रौद्योगिकी विकसित की गई।
- वर्ष 2009-14 में 4.8 लाख की तुलना में, वर्ष 2014-19 के दौरान 7.4 लाख मत्स्य-फिंगरलिंग के उत्पादन होने से फिंगरलिंग के उत्पादन में 54% की बढ़ोतरी हुई।
- मानव स्वास्थ्य हेतु 12 उच्च गुणवत्ता के यौगिकों एवं न्यूट्रास्यूटिकल्स का विकास किया गया।

टिकाऊ प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन

- किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण करने के उद्देश्य से एक पोर्टेबल मृदा परीक्षण किट/मिनी प्रयोगशाला (मृदापरीक्षक) का विकास किया गया। 1096 से अधिक इकाइयों का विक्रय किया गया जिससे एसएचसी के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिली है।
- मृदा अपरदन में कमी करने, जल भंडारण सुविधा के सृजन तथा भू-जल रिचार्ज में बढ़ोतरी और तलछट के त्वरित एवं सुरक्षित निपटारे के लिए, जल-संभर के लिए बहुउद्देशीय रबर बांध विकसित किया गया। 6 राज्यों (ओडिशा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात एवं झारखंड) में 43 रबर बांधों की स्थापना की गई।
- निक्का के तहत, जलवायु अनुकूल गांवों की संख्या लगभग तीन गुणा बढ़कर, वर्ष 2009-14 में 151 की तुलना में, वर्ष 2014-19 के दौरान 446 हो गई। इस मॉडल को महाराष्ट्र के 5,000 गांवों में दोहराया गया।
- भाकृअप ने वर्ष 2009-14 में 521 की तुलना में, वर्ष 2014-19 के दौरान 650 जिला कृषि आकस्मिकता योजनाओं को तैयार करने में तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई है।

कृषि मशीनरी/फसल अवशिष्ट प्रबंधन

- मशीन के आदिप्ररूप को वर्ष 2009-14 के दौरान 19499 से 19% तक बढ़ाकर वर्ष 2014-19 के दौरान 23197 किया गया। कृषि-प्रसंस्करण केन्द्रों की संख्या वर्ष 2009-14 में विद्यमान 39 के मुकाबले 3 गुना बढ़कर वर्ष 2014-19 के दौरान 126 हो गई।
- भाकृअप द्वारा सहायता प्राप्त खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की संख्या वर्ष 2009-14 में विद्यमान 20 के मुकाबले दोगुनी से अधिक बढ़कर 2014-19 के दौरान 45 हो गई।
- भाकृअप ने चावल फसल अवशिष्ट बर्निंग के लिए मशीनीकृत समाधान उपलब्ध कराया। वर्ष 2016 की तुलना में हैप्पी सीडर जैसी मशीनों का उपयोग करते हुए स्व-स्थाने अवशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से वर्ष 2019 के दौरान आग की घटनाओं में लगभग 52% की कमी आई। फसल अवशिष्ट प्रबंधन के लिए 2 लाख से अधिक किसानों और 40000 विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया।

लैब - टू लैंड/किसानों तक पहुंच

- कृषि विज्ञान केन्द्रों ने वर्ष 2009-14 के दौरान 0.41 करोड़ कृषि - परामर्शों की तुलना में वर्ष 2014-19 के दौरान 26.85 करोड़ मोबाइल कृषि परामर्श उपलब्ध कराए।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों और रोपण सामग्रियों का उत्पादन किया। बीज उत्पादन 10.1 लाख क्वि. से बढ़कर 14.16 लाख क्वि. हो गया और रोपण सामग्री 853.15 लाख से बढ़कर 2425.45 लाख हो गई।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की पहुंच को बढ़ाने के लिए 3.37 लाख सामान्य सेवा केन्द्रों को जुलाई-अक्टूबर 2019 के दौरान 717 कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ जोड़ा गया ताकि किसानों को मांग के अनुसार सूचना और सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।
- किसान समुदाय के सशक्तिकरण के लिए आईसीटी के अनुप्रयोग की दिशा में बढ़ते हुए भाकृअप ने वर्ष 2014-19 के दौरान विभिन्न कृषि एवं किसानों से संबंधित सेवाओं पर 171 मोबाइल एप्स विकसित किए जो 2014-19 के दौरान विकसित किए गए एप्स से 19 गुणा अधिक थे।

उच्च कृषि शिक्षा

- राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और मानकों में वृद्धि करने के लिए राज्य कृषि विश्वविद्यालयों का प्रत्यायन प्रारंभ किया गया। वर्ष 2009-14 के दौरान केवल 4 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों का प्रत्यायन किया गया था जो वर्ष 2014-19 के दौरान लगभग 15 गुना बढ़कर 59 हो गया।
- वर्ष 2015 के दौरान स्टूडेंट-रेडी कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। स्टूडेंट-रेडी कार्यक्रम के तहत छात्रवृत्ति राशि को रू. 750 प्रतिमाह से बढ़ाकर रू. 3000 प्रतिमाह किया गया और कार्यक्रम के तहत राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में 452 अनुभवजन्य लर्निंग यूनिटें स्थापित की गईं। इस कार्यक्रम से कुल 69621 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।
- राष्ट्रीय उच्च कृषि शिक्षा परियोजना (एनएचएईपी) को कार्यान्वित किया गया जिसके माध्यम से 210 विद्यार्थियों तथा 63 संकाय सदस्यों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकियों के उभरते हुए क्षेत्रों में प्रशिक्षण हेतु विदेश भेजा गया

तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों/भाकृअप के मानद विश्वविद्यालयों में 14 उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किए गए।

- राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में अनुभवी अध्यापकों की क्षमताओं का उपयोग करने के लिए वर्ष 2016-17 में एमेरिटस प्रोफेसर योजना (100) शुरू की गई।
- विदेशी डाक्टोरल डिग्री कार्यक्रम हेतु नेताजी सुभाष अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति 25 से बढ़कर 50 हो गई।

कृषि-व्यवसाय इन्क्यूबेशन

- कृषि प्रौद्योगिकियों को आकर्षक व्यावसायिक प्रस्तावों में रूपांतरित करने के लिए व्यवसाय इन्क्यूबेशन की अत्यधिक जरूरी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु भाकृअप ने वर्ष 2016 से 50 कृषि व्यवसाय इन्क्यूबेशन स्थापित किए।
- वर्ष 2009-14 के दौरान 611 की तुलना में वर्ष 2014-19 के दौरान इन्क्यूबेशन हेतु भाकृअप ने 742 उद्यमियों को स्वीकृति प्रदान की। वर्ष 2009-14 के दौरान जहां केवल 53 स्टार्टअप्स ने ही अपना व्यावसाय शुरू किया, वहीं वर्ष 2014-19 के दौरान यह संख्या बढ़कर 501 हो गई।

मद	वर्ष 1950-51 में उत्पादन लाख टनों में	वर्ष 2016-17 में उत्पादन लाख टनों में	गुणा बढ़ोत्तरी (x)
खाद्यान्न	50.83	273.38	5.38
दलहन	8.41	22.40	2.66
तिलहन	5.16	32.52	6.30
कपास	0.52	5.54	10.73
गन्ना	57.05	306.03	5.36
बागवानी	96.56 (1991-92 level)	295.16	3.06
दूध	17.00	163.74	9.63
मछली	0.75	10.80	14.36
अंडे	1830	87050	47.57
मांस	1.9 (1998-99 level)	7.37	3.88
